आईपीएल-10 चैंपियन का फैसला आज

हैदराबाद, 20 मई (वार्ता) : इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) का दसवां संस्करण अब अपने नये चैंपियन से मात्र एक कदम की दूरी पर खड़ा है और रविवार को फैसला होगा कि पहली बार फाइनल में पहुंची राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के सिर ट्वंटी 20 लीग का खिताब सजता है या सितारों से सजी मुंबई इंडियन्स खिताबी हैट्रिक लगाती है।

मुंबई इंडियन्स की टीम पुणे के हाथों ही अपने घरेलू मैदान पर हारने के बाद दूसरे क्वालिफायर में पहुंची और उसने इस मौके को ज़ाया होने नहीं दिया तथा चौथी बार आईपीएल के फाइनल में जगह बना ली। मुंबई ने शुक्रवार को बेंगलुरू में हुये मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स को छह विकेट से लगभग एकतरफा अंदाज में हराया था और बुलंद हौंसले के साथ वह फाइनल में पहुंची है जहां यह चौथा मौका होगा जब वह पुणे से इस सत्र में भिड़ेगी। यह भी दिलचस्प बात है कि इंडियन प्रीमियर लीग के 10वें संस्करण में मुंबई और पुणे के बीच हुये पिछले तीनों मैचों में पुणे ने तालिका में शीर्ष पर रही टीम को हराया है। पुणे ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में ही मुंबई को अपने घरेलू मैदान पर सात विकेट से हरा दिया था। इसके बाद पुणे ने मुंबई को उसी के मैदान पर तीन रन से हराया था। बाद में पहले क्वालिफायर में भी स्टीवन स्मिथ की टीम ने मुंबई पर वानखेड़े में ही 20 रन से जीत दर्ज की थी। पुणे जहां सबसे पहले फाइनल में पहुंचने के बाद तरोताज़ा होकर मुंबई के खिलाफ जीत का चौका लगाने उतरेगी तो दो बार की चैंपियन रोहित शर्मा की टीम के लिये यह मुकाबला निश्चित ही मनोवैज्ञानिक दबाव वाला होगा।

हमारी टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : रोहित

बेंगलुरू, 20 मई (एजेंसी) : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 10वें संस्करण के फाइनल में जगह बना चुकी मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा कि शीर्ष पांच में हमारा कोई बल्लेबाज नहीं है यह बताता है कि हम टीम के संयुक्त प्रयास के साथ यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, ''शीर्ष पांच में हमारा कोई बल्लेबाज नहीं है। यह बताता है कि यहां तक पहुंचने में हमारी पूरी टीम का योगदान है।'' मैच के बारे में रोहित ने कहा, ''पुणे के खिलाफ हमारा इतिहास अच्छा नहीं है, वह खिताब और हमारे बीच इकलौती बाधा है।''

गोल्ड मैडल जीतने के बाद अपने पदकों के साथ भारत की पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम।

पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्वकप में गोल्ड पर लगाया निशाना

नई दिल्ली, 20 मई (वार्ता) : अभिषेक वर्मा, चिन्ना राजू श्रीधर और अमनजीत सिंह की तिकड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुये चीन के शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्वकप चरण-एक में पुरूषों की कम्पाउंड टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया है। भारतीय कम्पाउंड टीम ने कंबोडिया को फाइनल में 226-221 से पराजित कर जीत हासिल की। इससे पहले भारतीय टीम ने अमेरिका को 232-230 के नजदीकी अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। भारतीय खिलाड़ियों ने ओपनिंग सेट में 58-57 की बेहद मामूली बढ़त से जीत दर्ज की थी लेकिन बाकी के तीनों सेटों में उन्होंने कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। कंबोडिया के कैमिलो आंद्रेस कार्डोना, जोस कार्लोस ओस्पिना और डेनिएल मुनोज की तिकड़ी ने तीसरे सेट को हालांकि 52-52 से टाई करा दिया लेकिन भारतीयों ने फिर विपक्षी टीम को वापसी नहीं करने दी और जीत अपने नाम कर ली।

फाइनल में कंबोडिया को 226-221 से हराया

मिश्रित युगल में अभिषेक ने ज्योति सुरेखा के साथ मिक्स्ड पेअर स्पर्धा के कांस्य पदक मुक़ाबले में प्रवेश किया था जहां उनके पास भारत को एक और पदक दिलाने का मौका था लेकिन भारतीय जोड़ी यह मुक़ाबला अमेरिका की जेमी वान नाटा और रियो विल्डे की जोड़ी से गंवा बैठी। विश्व में 14वीं रैंकिंग की भारतीय मिश्रित टीम को इस मैच में आठवीं रैंकिंग की अमेरिकी टीम के हाथों 151-153 से हार झेलनी पड़ी।

वहीं इससे पहले रिकर्व की मिक्स्ड स्पर्धा में अतानु दास और दीपिका कुमारी की जोड़ी रूस की जोड़ी से क़्वार्टर फाइनल में ही हार गयी। पुरुष रिकर्व टीम क्वार्टरफाइनल में रूस से और महिला टीम पहले राउंड में अमेरिका से हार गयी थी।

सानिया-श्वेदोवा इटेलियन ओपन से बाहर

रोम, 20 मई (एजेंसी) : भारतीय खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनकी युगल जोड़ीदार कजाकिस्तान की यारोस्लावा श्वेडोवा को शनिवार को इटेलियन ओपन के महिला युगल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। सानिया-श्वेडोवा की जोड़ी को सानिया की पूर्व जोड़ीदार स्विट्जरलैंड की मार्टिना हिंगिस और चीनी ताइपे की चान युंग जान की जोड़ी ने सीधे सेटों में 3-6, 6-7(7) से मात दी।

बोपन्ना और क्यूवास क्वार्टर फाइनल में हारे

रोम, 20 मई (वार्ता) : भारत के रोहन बोपन्ना और उरूग्वे के पाब्लो क्यूवास को इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना और क्यूवास ने क्वार्टरफाइनल में सातवीं सीड जोड़ी स्पेन के फेलिसियानो लोपेज और मार्क लोपेज को चौंकाया था लेकिन अंतिम आठ में उन्हें फ्रांस के पियरे ह्यूज हर्बट और निकोलस माहुत की जोड़ी ने कड़े संघर्ष में 7-6 6-7 12-10 से हरा दिया।

विम्बलडन वाइल्ड कार्ड नहीं मांगेंगी शारापोवा, क्वालीफायर में खेलेंगी

रोम, 20 मई (एजेंसी) : डोपिंग के चलते 15 महीनों का प्रतिबंध झेलने के बाद कोर्ट पर लौटीं रूस की महिला टेनिस खिलाड़ी मारिया शारापोवा ने कहा है कि वह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट-विबंलडन के मुख्य दौर में जाने के लिए वाल्डकार्ड की अपील नहीं करेंगी।

शारापोवा ने कहा कि वह क्वालीफाइंग राउंड के जरिए अपना सफर तय करेंगी। शारापोवा ने अपनी वेबसाइट पर अपने ग्रास कोर्ट पर खेलने के कार्यक्रम के बारे में लिखा है। दो दिन पहले उन्हें फ्रेंच ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से मना कर दिया गया था। शारापोवा ने कहा, ''मेरी वापसी के तीन टूर्नामेंट बाद मेरी रैंकिंग में सुधार हुआ है। मैं विबंलडन के क्वालीफाइंग दौर में हिस्सा लूंगी। और मुख्य ड्रॉ के लिए वाल्ड कार्ड की अपील नहीं करूंगी।''

एशियन यूथ एथलैटिक मीट चैम्पियनशिप

बरनाला के दमनीत सिंह ने हैमर थ्रो में जीता चांदी का पदक

दमनीत सिंह।

बरनाला, 20 मई (विजय भंडारी): दूसरी एशियन यूथ एथलैटिक मीट चैम्पियनशिप बैंकाक में बरनाला के दमनीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह मान ने 70.29 मीटर हैमर थ्रो फेंक कर जहां चांदी का तमगा जीता, वहां देश की झोली में पहला मैडल डाला। दमनीत सिंह ने तलंगना की राजधानी हैदराबाद में हुई 14वीं राष्ट्रीय यूथ एथलैटिक्स चैंपियनशिप में 72.75 मीटर हैमर थ्रो फेंक कर नया रिकार्ड अपने नाम दर्ज करवाया था। उन्हें सर्वोत्तम एथलीट के खिताब के साथ सम्मानित किया गया था। इस आधार पर दमनीत सिंह की अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों के लिए चयन हुआ था। याद रहे दमनीत सिंह राष्ट्रीय स्कूल खेल मुकाबलों में 17 और 19 साल के वर्ग में भी नया रिकार्ड अपने नाम दर्ज करवा चुका है। दमनीत सिंह बरनाला के सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल में 11वीं कक्षा का विद्यार्थी है। दमनीत सिंह के पिता बलदेव सिंह मान पोल वाल्ट के राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और माता गुरसेव कौर अध्यापक है। दमनीत सिंह ने हैमर थ्रो की कोचिंग अपने प्रशिक्षक सुखराज सिंह से हासिल की है।

सैमीफाइनल में पहुंचे जोकोविक, नडाल बाहर

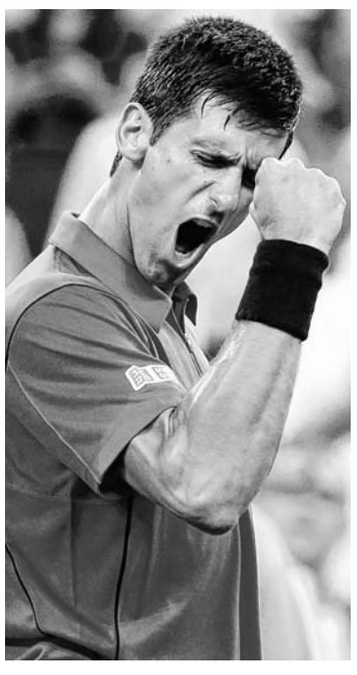

रोम, 20 मई (एजेंसी) : दूसरी वरीय सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने इटेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दिग्गज टेनिस खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल उलटफेर का शिकार हो कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। जोकोविक ने वर्षा से बाधित क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के जुआन मार्टिन डेल पोट्रो के सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया।

मुताबिक, जोकोविक 6-1, 1-2 से आगे चल रहे थे तभी बारिश आ गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश थमने के बाद मैच दोबारा शुरू हुआ और जोकोविक ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उनका सामना बड़ा उलटफेर करने वाले आस्ट्रिया के डोमिनिक थीम से होगा। थीम ने स्पेन के नडाल को मात देकर सभी को हैरान कर दिया। थीम ने नडाल को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से मात देते हुए उन्हें टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। क्ले कोर्ट के बादशाह कहे जाने वाले नडाल की यह 2017 में क्ले कोर्ट पर पहली हार है। नडाल ने हाल ही में बार्सिलोना ओपन और मेड्रिड ओपन का खिताब जीता था। इस हार के बाद भी नडाल इसी महीने के अंत में होने वाले फ्रेंच ओपन जीतने के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। वह अगर ऐसा कर लेते हैं तो 10वीं बार खिताब जीतेंगे।

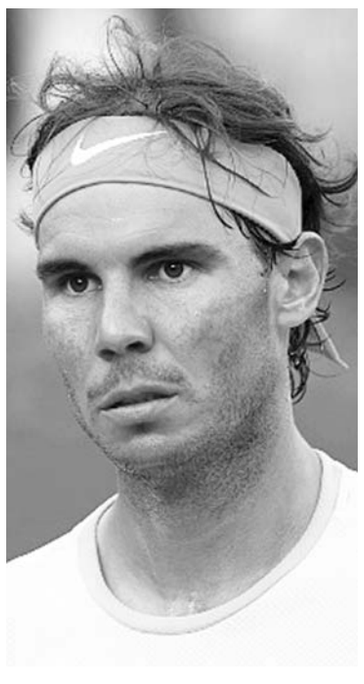

रूसी डोपिंग रोधी संस्था में बनी रह सकती हैं इसिनबायेवा

मास्को, 20 मई (एजेंसी) : पोल वॉल्ट की दिग्गज खिलाड़ी येलेना इसिनबायेवा अपनी कुर्सी छोड़ने के बाद भी रूस की डोपिंग रोधी एजेंसी (रुसाडा) की सदस्य बनी रह सकती हैं। रूस के वरिष्ठ खेल अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी। बैठक में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने रूस के सामने सदस्यता के लिए कुछ शर्तें रखी थीं जिनमें रुसाडा के चैपयरेमैन और वाइस चैयरमेन को स्वतंत्र व्यक्ति से बदलने की मांग भी शामिल थी।

यूरोप स्पोर्ट्स कवेंशन डिविजन के अध्यक्ष और रूसाडा की सुपरवाइजरी बोर्ड के सदस्य सर्गेई खरयाचिकोल ने तास को बताया, ''वाडा की जरूरत इसिनबायेवा को हटाने की नहीं है बल्कि ऐसे चैयरमैन और वाइस चैयरमेन को लाने की है जो स्वतंत्र हों।''

उन्होंने कहा, ''आपको याद हो, इसिनबायेवा को रुस की ओलम्पिक समिति (ओसीआर) ने नामांकित किया था।''

आखिरी मैच में भी भारत को मिली हार

न्यूज़ीलैंड की महिला हॉकी टीम ने 6-2 से हराया, सीरीज 5-0 से जीती

हेमिल्टन, 20 मई (एजेंसी) : न्यूजीलैंड महिला हॉकी टीम ने शानिवार को भारत को 6-2 से मात देकर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर 5-0 से कब्जा जमाया। किवी टीम ने मैच की शुरुआत से ही भारत पर हावी रही और भारतीय टीम इससे पार नहीं पा सकी। किवी टीम के लिए पहला गोल चौथे मिनट में ओलिविया मैरी ने किया। पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में उन्होंने दूसरा गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में दो गोल से पीछ रहते हुए मैदान पर उतरी भारत ने 22वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे दीप ग्रेस इक्का ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। पांच मिनट में बाद पिप्पा हेवार्ड ने किवी टीम का तीसरा गोल दाग स्कोर 3-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर का अंत इसी स्कोर पर हुआ।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने अच्छी शुरुआत की और 33वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया। कप्तान रानी ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया और भारत के लिए दूसरा गोल दागा। भारत के पास बराबरी का मौका था लेकिन गुरजीत कौर के फ्लिक को किवी टीम की गोलकीपर ग्रेस ए हेनल्न ने रोक लिया।

इसके बाद किवी टीम ने एकतरफा खेल दिखाया और तीसरे क्वार्टर के अंत तक तीन और गोल दाग स्कोर 6-2 कर लिया। उसके लिए 37वें मिनट में नताशा फिटज्सिमोंस, एक मिनट बाद समांथा हैरिसन और 40वें मिनट में कर्स्टन पियर्स ने गोल कर बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर में गोल के अंतर को कम करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं रही। इस सीरीज में भारत को 1-4, 2-3, 0-3, 2-8 और 2-6 से हार मिली। इस तरह भारत ने इस सीरीज में 24 गोल खाए जबकि वह मेजबान टीम के खिलाफ सात गोल कर सकी।

मैच दौरान भिड़ती हुईं न्यूज़ीलैंड व भारत की महिला खिलाड़ी।

विकास बीएफआई अनुशासनात्मक समिति के समक्ष पेश हुए

नई दिल्ली, 20 मई (भाषा) : भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण आज अनुशासनात्मक समिति के समक्ष प्रस्तुत हुए और उन्होंने एशियाई चैम्पियनशिप में अपनी सेमीफाइनल बाउट में नहीं खेलने के लिये अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि वह सुनवाई से संतुष्ट थे। विकास ने हालांकि अपनी सफाई की बातों का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा, ''मैंने अपना पक्ष रख दिया है. मैं संतुष्ट हूं कि मुझे अपनी सफाई देने का मौका दिया गया। मैंने समिति के सदस्यों को बता दिया कि जो कुछ हुआ, उसके लिये जो भी दोषी है, वह सजा का हकदार होगा। '' यह मिडिलवेट मुक्केबाज एशियाई चैम्पियनशिप के दौरान शीर्ष वरीय था। उसने ताशकंद में इस महीने के शुरु में हुई इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में कोरिया के ली डोंगयुन के खिलाफ वाकओवर करने का फैसला किया। हालांकि इस फैसले के कारणों का आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया। विकास को 11 मई को पेरिस में विश्व सीरीज आफ बाक्सिंग की बाउट खेलनी थी।

फिल्म के लिए हामी भरने में आठ महीने लगे : सचिन

नई दिल्ली 20 मई (वार्ता) : दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि उनके जीवन पर बनीं फिल्म' सचिन: ए बिलियन ड्रीम्स 'के लिये हामी भरने में उन्हें आठ महीने का समय लगा। क्रिकेट में रिकार्डों के इस बादशाह ने कहा कि पहली बार उन्हें इस फिल्म का प्रस्ताव 2012 में मिला था और उस समय इस प्रस्ताव को सुनते ही उन्होंने इसे खारिज कर दिया था। सचिन ने कहा, ' फिल्म का प्रस्ताव मिलने पर मेरा पहला जवाब ना था और ना को हां करने में आठ महीने लग गये। एक खिलाड़ी हमेशा खिलाड़ी ही रहता है और मुझे लगा कि इस फिल्म में अभिनय नहीं होना चाहिये। फिल्म के निर्माताओं ने भी मुझे बताया कि इसमें अभिनय करने की जरूरत नहीं है यह रीयल लाइफ फिल्म है और आपकी वास्तविक जीवन में जो घटनाएं घटी है उन्हें ही फिल्म में दिखाना है।

मास्टर ब्लास्टर ने कहा, 'निर्माता फिल्म में यह दिखाना चाहते थे कि मैदान के बाहर और अंदर जो घटनाएं मेरे जीवन में घटी थी, मैं उस पर कैसी प्रतिक्रिया देता था, मेरे दिमाग में क्या चलाता था। अच्छे और बुरे समय में मैं क्या सोचता था, बुरे दौर से मैं बाहर कैसे निकला।